हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

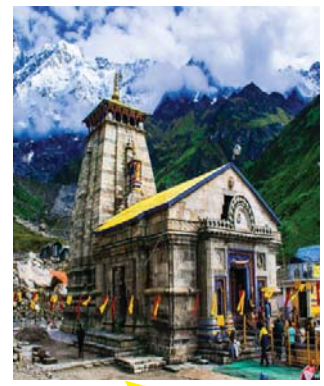

वर्ष:4 अंक:250 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, रविवार, 14 सितंबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी पहुंचे दून अस्पताल, तीमारदारों की सुविधाओं में विस्तार

पथ प्रवाह, योगेश शर्मा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार संध्या काल में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार की गुणवत्ता तथा व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल के वार्डो में उपचाररत विभिन्न मरीजों से भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में पूछा। मरीजों और उनके परिजनों से संवाद के माध्यम से मुख्यमंत्री ने चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को प्रत्यक्ष रूप से समझा तथा आवश्यक निर्देश भी दिए।

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के औचक निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में मौजूद वेटिंग एरिया (प्रतीक्षालय) में तिमारदारों के लिए समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल के वेटिंग रूम का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को भी सुविधाजनक वातावरण मिले, इसके लिए पेयजल, पंखे एवं बैठने की पर्याप्त एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि तीमारदार अस्पताल की व्यवस्था का अहम हिस्सा होते हैं और उन्हें भी बेसिक सुविधाएं मिलनी चाहिए, जिससे वे मानसिक रूप से सहज रह सकें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, नियमित सैनिटाइजेशन तथा रंग-रोगन की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से कराई जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल न केवल चिकित्सा का स्थान है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से रोगियों एवं उनके परिजनों को संबल देने का स्थान भी है, अतः इसकी स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं सुव्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि मरीजों के साथ-साथ उनके परिजनों की सुविधा और सम्मान भी राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकारी अस्पतालों में आमजन को बेहतर सेवाएं मिलें, इसके लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ब्लड सैंपल कलेक्शन सेंटर भी पहुंचे

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ब्लड सैंपल कलेक्शन सेंटर भी पहुंचे, जहाँ उन्होंने सेंटर में कार्यरत ऑपरेटर से सैंपल संग्रहण की प्रक्रिया, उनकी रिकॉर्डिंग तथा प्रयोगशाला में होने वाली टेस्टिंग संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सेंटर में उपयोग हो रही तकनीक एवं संसाधनों की कार्यकुशलता की सराहना की तथा इसकी निरंतर निगरानी के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल प्रशासन, चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ को निर्देश दिया कि मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संकल्पित है तथा इसके लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और त्वरित सेवा व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि आम जनमानस को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

अटल आयुष्मान योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में स्थापित अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना हेल्प डेस्क का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने हेल्प डेस्क पर तैनात कर्मचारियों से योजना की कार्यप्रणाली, लाभार्थियों को दी जा रही सहायता, कार्ड बनाने की प्रक्रिया, मरीजों के क्लेम की स्थिति तथा जनसामान्य को प्रदान की जा रही सुविधा संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपस्थित लाभार्थियों से भी बातचीत कर उनके अनुभव सुने तथा हेल्प डेस्क की कार्यक्षमता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अटल आयुष्मान योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क पर आने वाले हर व्यक्ति को सरल, स्पष्ट और त्वरित जानकारी मिलनी चाहिए, जिससे उन्हें योजना से जुड़ने और लाभ प्राप्त करने में कोई असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार की यह महत्त्वाकांक्षी योजना गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी के समान है, और इसकी प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था के लिए सभी संबंधित विभागों को सजग एवं सक्रिय रहना होगा। निरीक्षण के दौरान अपर सचिव बंशीधर तिवारी, चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ चिकित्सकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोदी की मणिपुर के संगठनों से शांति की राह चुनने की अपील, केंद्र से पूरे सहयोग का दिया भरोसा

चुड़ाचांदपुर (मणिपुर)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के विकास और यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान में केंद्र सरकार के पूरे सहयोग का आश्वासन देते हुए राज्य के सभी संगठनों से शांति का रास्ता अपनाने की पुरजोर अपील की है।

जातीय हिंसा से उबर रहे राज्य के एक दिन के दौरे पर आये मोदी ने शनिवार को यहां पीस ग्राउंड में आयोजित एक सभा के मंच से मणिपुर में सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7300 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का रिमोट कंट्रोल से शिलान्यास किया। इस मौके पर राज्यपाल अजय भल्ला भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने राज्य में हिंसा की पिछली घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि राज्य की जनता

मिलजुल कर प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को साकार करें। मैं आपके साथ हूं.. भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है।÷

सभा से पहले उन्होंने जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के शिविर में जाकर उनके मुलाकात भी की।

मोदी ने इस बात पर संतोष जताया कि

मणिपुर में पहड़ी क्षेत्र और घाटी क्षेत्र में अलग अलग समूहों के साथ समझौते के लिए बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, यह केंद्र सरकार के प्रयासों का हिस्सा है.. जिसमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मणिपुर के नाम में ही मणि है, यह वह मणि है जो आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की चमक को बढ़ाने वाली है।

उन्होंने कहा कि केंद्र का यह निरंतर प्रयास है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाया जाये और उनकी आज की यह यात्रा उन्हीं प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आज मंच से उन्होंने जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया है उससे पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों और जनजातीय समाज के लोगों की जिंदगी और बेहतर होगी। केंद्र सरकार विकास की राह पर मणिपुर की यात्रा की गति तेज करने का प्रयास लगातार कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर की राजधानी इम्फाल जल्दी ही राष्ट्रीय रेलनेटवर्क से जुड़ने वाला है। उन्होंने कहा, % जीरीबाम-इम्फाल रेलवे लाइन बहुजल्द राजधानी इम्फाल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ देगी।

मोदी ने कहा कि मणिपुर की सीमा अन्य देशों से लगती है और यहाँ सम्पर्क सुविधाओं की कमी हमेशा से एक चुनौती रही है जिसके कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता रहा है। उन्होंने कहा, % इसलिए, 2014 से, मैंने मणिपुर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर बहुत ज़ोर दिया है। इसके लिए, भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए बजट में कई गुना वृद्धि की है। दूसरा, हमने शहरों से गाँवों तक सड़कें बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल के वर्षों में, यहाँ राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और 8,700 करोड़ रुपये के निवेश से नए राजमार्गों पर काम चल रहा है।

मोदी ने कहा कि चूड़ाचांदपुर और पूरे मणिपुर की संस्कृति और यहां की विविधता भारत का सामर्थ्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। हम बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। हमने देशभर में गरीबों के लिए पक्के घर बनाने की योजना शुरू की है । इसका फायदा मणिपुर के भी हजारों परिवारों को मिला। बीते सालों में 15 करोड़ से अधिक देशवासियों को नल से जल की सुविधा मिल चुकी है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में 7-8 साल पहले तक सिर्फ 25-30 हजार घरों में ही पाइप से पानी आता था। आज यहां साढ़े तीन लाख से अधिक घरों में नल से जल की सुविधा मिल रही है। आने वाले समय में पूरे राज्य में हर घर को यह सुविधा हो जाएगी।

मोदी ने कहा एक समय था जब दिल्ली में लिए गये फैसलों को यहाँ तक पहुँचने में दशकों लग जाते थे। आज, हमारा चुड़ाचांदपुर, हमारा मणिपुर, देश के बाकी हिस्सों के साथ मिलकर प्रगति कर रहा है। जैसे हमने देश भर के गरीबों के लिए पक्के मकान बनाने की घोषणा की, मणिपुर को भी इसका लाभ मिला है।

मणिपुर में मेडिकल कालेज सुविधाओं के विस्तार तथा आयुष्मान भारत योजना से लोगों के मिल रहे लाभ का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना से राज्य के लोगों का 350 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज संभव हो सका है।

मोदी ने कहा कि केंद्र मणिपुर में विस्थापित लोगों के लिए 7000 घर बनाने के लिए मदद दे रहा है। मणिपुर के लिए 3000 करोड़ रुपये का एक स्पेशल विकास पैकेज तथा विस्थापितों की मदद के लिए 500 करोड़ का पैकेज दिया गया है।

गंगा किनारे रो रहा एनजीटी का आदेश, जिम्मेदार खामोश

सिद्धार्थ त्रिपाठी, हरिद्वार।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) ने हरिद्वार जिले में प्लास्टिक की बिक्री को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन एन.जी.टी. के यह आदेश सरकारी विभागों के एक कोने में फाइलों में दब कर रह गया है। जिन लोगों पर एन.जी.टी. के आदेशों का पालन कराने की जिम्मेदारी है, वो भी कभी-कभी महीनों में एक-आध छापा मार कर और कुछ फेरी पटरी वालों का समान जब्त कर अपने कार्य की इतिश्री माने बैठे है।

धर्मनगरी में गंगा पर बने सभी घाटों पर प्लास्टिक के उत्पाद आपको आसानी से नजर आ जायेगे। चाहे

हरकी पैडी या उसके आसपास के भीड़भाड़ से भरे घाट हो या फिर कनखल के गंगा किनारे के कम व्यस्त घाट पन्नी और प्लास्टिक उत्पादों हर जगह आसानी से उपलब्ध है। सभी घाटों पर पन्नी और प्लास्टिक उत्पादों की खुलेआम बिक्री हो रही है। बात खाली बिक्री तक हो तो भी ठीक पर कुछ लोगों द्वारा पॉलीथिन और प्लास्टिक गंगा में डालकर गंगा को प्रदूषित भी किया जा रहा है। पन्नी के प्रयोग से न केवल गंगा प्रदूषित हो रही है बल्कि सीवर भी चोक हो रहे हैं लेकिन अधिकारी कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं। लोगों की शिकायतों के बाद भी जिला प्रशासन और नगर निगम इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहा हैं।

छोटे पर कार्रवाई बड़ों पर मेहरबानी

इस विषय पर स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि कार्रवाई सिर्फ छोटे व्यापारी पर की जाती है। बड़ों पर कार्रवाई करने की कोई हिम्मत नहीं दिखा पाता। प्रशासन यदि वास्तव में प्लास्टिक को बैन करना चाहता है तो इसके लिए जरूरी है कि बड़े व्यापारियों पर कार्रवाई की जाए। अगर प्रशासन फैक्ट्री बंद करा देगा तो बाजारों तक पन्नी नहीं पहुंचेगी।

ये हैं एनजीटी के आदेश

एन.जी.टी. (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने प्लास्टिक कचरे को नियंत्रित करने के लिए कई आदेश दिए हैं, जिनमें हरिद्वार जैसे तीर्थस्थलों पर प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर बैन, और अपशिष्ट पृथक्करण व रीसाइक्लिंग सुविधाओं की स्थापना शामिल हैं। हाल ही में, 2024 में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है।

निकायों को दिये हैं ये निर्देश

साथ ही एन.जी.टी. ने बहु-स्तरीय प्लास्टिक (एम. एल. पी.) के संबंध में स्थानीय निकायों को पुनर्चक्रण सुविधाएँ स्थापित करने और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को पुनर्चक्रण तकनीकों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया था। पर लगता है कि इन आदेशों को सख्ती से लागू करना और गंगा को प्रदूषण मुक्त कराने को लेकर प्रशासन की कोई दिलचस्पत्री नहीं है। ऐसे में एन.जी.टी. के यह आदेश गंगा किनारे बैठ कर रोने के अलावा कुछ नहीं कर सकता।

स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के लिए जिलाधिकारी ने नामित किये नोडल अधिकारी

पथ प्रवाह हरिद्वार। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने नोडल अधिकारी नामित कर दिये हैं। परियोजना निदेशक डीआरडीए के.एन तिवारी ने बताया कि17 सितंबर से 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती तक पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन में आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के सफलता के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर विभिन्न थीमों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की गई है। जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को कार्यक्रम के सफलता के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों को आदेश निर्गत करते हुए कहा कि कार्यक्रम के सफल संपादन के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक जन सहभागिता व क्षेत्र के जन प्रतिनिधि एवं व्यक्तियों को अपने स्तर से आमंत्रित करते हुए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार प्रसार कराए तथा सभी कार्यक्रमों का अभिलेखीकरण के भी निर्देश दिए गए।

17 सितंबर को स्वच्छारंभ दिवस थीम पर होगा कार्यक्रम

जिलाधिकारी द्वारा निर्गत आदेश में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनपद में स्वच्छता पखवाड़ा का स्वच्छारंभ दिनांक 17 सितम्बर

2025 को समस्त शासकीय कार्यालय एवं आवासीय परिसर, ग्राम पंचायतों, विकास खंड मुख्यालय की स्वच्छता एवं निर्मलता को बनाए रखने हेतु स्वच्छता शपथ/ स्वच्छता अभियान के साथ किया जाएगा। जिसमें भारत सरकार द्वारा निर्धारित बैनर का ही उपयोग किया जाएगा। जिसमें नगर निगम/ नगर पालिका/ नगर पंचायत/ पंचायती राजविभाग एवं जनपद स्तरीय समस्त कार्यालयाध्यक्ष नोडल होंगे।

18 सितंबर को स्वच्छ सार्वजनिक स्थल थीम पर होगा कार्यक्रम

जिसमें समस्त सार्वजनिक स्थलों जैसे प्रमुख नगर चौराहे, कस्बे, पार्क, बस स्टेशन, चिकित्सालय आदि में सफाई अभियान चलाया जाएगा। जिसमें समस्त जनपद स्तरीय विभाग एवं स्वयंसेवी संस्थाओं जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा जिसके लिए नगर निकाय हेतु नगर आयुक्त समस्त अधिशाषी अधिकारी खंड विकास अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत नोडल अधिकारी होंगे।

22-23 सितंबर को सफाई मित्र सुरक्षा शिविर थीम पर होगा कार्यक्रम

जनपद के समस्त स्थानीय निकाय स्तरों पर सफाई मित्र सुरक्षा अभियान के अंतर्गत विभागीय स्तर से चयनित लाभार्थियों/ पर्यावरण मित्रों को सुरक्षा कीट वा अन्य कल्याणकारी योजनाओं हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय करते हुए बहुउद्देशीय शिविर आयोजित कर संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। जिसके लिए चिकित्सा विभाग नगर प्रशासक बीएचईएल, जिला पूर्ति विभाग, विद्युत विभाग, लीड बैंक अधिकारी, समाज कल्याण, जल निगम, जल संस्थान द्वारा सहभागिता की जायेगा। जिसके लिए नगर आयुक्त हरिद्वार, रुड़की एवं समस्त अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायत को नोडल अधिकारी नामित किया है।

25 सितंबर को एक दिन, एक घंटा, एक साथ थीम पर होगा कार्यक्रम

जनपदव्यापी श्रमदान साथ साथ स्वच्छता अभियान ÷एक दिन, एक घंटा, एक साथ÷ स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त ग्राम पंचायतों में एवं नगरिया क्षेत्रों के वार्डों में सहभागिता की जाएगी जिसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत राज अधिकारी एवं नगर क्षेत्रों हेतु नगर आयुक्त होंगे नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी नामित किए गए है।

27 सितंबर को स्वच्छ हरित उत्सव विश्व पर्यटन दिवस थीम पर कार्यक्रम

जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक स्थलों वन विभाग क्षेत्रों के अंतर्गत पर्यटक पार्क स्थलों पर व्यापक सफाई अभियान एवं एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त समारोह का आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण अनुकूल विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्थाएं। पर्यटन स्थलों एवं भीड़ भाड़ वाले सार्वजनिक स्थली पर स्वच्छता का संदेश देते हुए स्वच्छता रंगोली का आयोजन किया जाएगा जिसमें वन विभाग, उद्यान विभाग, नगर प्रशाशन, बीएचईएल, सिडकुल, पर्यटन एवं परिवहन द्वारा सहभागिता की जाएगी जिसके लिए जिला पर्यटन विकास अधिकारी एवं क्षेत्रीय प्रबंधक सिडकुल को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

29 सितंबर को स्वच्छता के लिए वकालत थीम पर होगा कार्यक्रम

विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष पर कूड़े, ठोस, तरल अपशिष्ट से उत्पन्न हों वाली बीमारियों से बचाओ हेतु जनजागरकता अभियान गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें स्वास्थ्य विभाग, नगर निकाय, शिक्षा विभाग, स्वजल परियोजना, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सहभागिता की जाएगी। जिसके लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं नगर स्वस्थ अधिकारी हरिद्वार व रुड़की को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

30 सितंबर को स्वच्छ एवं सुजल अभियान थीम पर होगा कार्यक्रम

समस्त वार्डों में व्यापक स्तर पर झाड़ू कटान नाली सफाई एवं कीट नष्ट छिड़काव एवं अमृत सरोवरों की साफ सफाई करना। पेयजल टंकियों एवं परिसरों की साफ सफाई एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ सफाई जिसमें स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राजविभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पेयजल विभाग द्वारा सहभागिता की जाएगी। जिसके लिए जिला पंचायत राज अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, नगर आयुक्त, नगर निगम हरिद्वार एवं रुड़की एवं समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका व नगर पंचायत अधिकारी, नोडल अधिकारी नामित किए गए है।

1 अक्टूबर को स्वच्छतोत्सव प्रतियोगिताएं थीम पर होगा कार्यक्रम

कार्यक्रम के तहत विद्यालयों ने स्वच्छता शपथ, बाल सभाओं का आयोजन, स्वच्छता रैली, निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन। सर्वश्रेष्ठ 3 प्रतिभागियों का चयन कर 2 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की सहभागिता होगी जिसके लिए मुख्य शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

2 अक्टूबर 2025 को स्वच्छ भारत दिवस थीम पर होगा कार्यक्रम

उक्त दिवस को सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉटों, सीटीयू साइट पर उत्सव समारोह मनाया जाएगा। स्वच्छता के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/ ग्राम पंचायतों/ पर्यावरण मित्रों/ स्वच्छता प्रहरियों को सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रभागीय वनाधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, समस्त खंड अधिकारियों की सहभागिता की जाएगी जिसके लिए संबंधित विभागों को नोडल अधिकारी नामित किया गया।

किसानों और युवाओं के कल्याण के लिए हम पूरी तरह से कटिबद्ध: त्रिवेंद्र

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार से सांसद व उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम किसानों और युवाओं के कल्याण के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। सीएम योगी से मुलाकात के दौरान सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने तीन प्रमुख मुद्दों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। सांसद ने आईआईटी रुड़की परिसर का विस्तार- आईआईटी रुड़की परिसर के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की भूमि को संस्थान को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया , ताकि शोध, नवाचार एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रगति

सुनिश्चित हो सके। सांसद ने इकबालपुर-नागल सिंचाई परियोजना- किसानों की उत्पादकता एवं सिंचाई सुविधा को मजबूत बनाने के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देते हुए इस महत्वपूर्ण परियोजना पर कार्रवाई का उनसे आग्रह किया। इसके अलावा रुड़की-मंगलौर नहर विकास-नहर के किनारे किसानों की सुविधा एवं क्षेत्रीय विकास के लिए ठोस एवं दीर्घकालिक योजना बनाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद त्रिवेंद्र सिंह द्वारा उठाए गए विषयों पर गंभीरता से विचार करते हुए हरसंभव सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

हरिद्वार अर्द्धकुंभ में साधु-संन्यासियों के साथ पहली बार होंगे तीन अमृत स्नान

धीरज शर्मा, हरिद्वार। धर्म नगरी हरिद्वार में 2027 में अर्द्धकुंभ मेला में आयोजित होना है। इस बार मेले को दिव्य और भव्य बनाने के लिए उत्तराखंड सरकार जुटी हुई है। साल 2027 में हरिद्वार का अर्द्धकुंभ मेला बेहद खास माना जा रहा है। हरिद्वार के अर्द्धकुंभ में अब तक आम लोग ही कुंभ के दौरान स्नान करते थे लेकिन साल 2027 में साधु-संन्यासी और अखाड़े भी अर्द्धकुंभ में डुबकी लगाएंगे।

इसके लिए अमृत स्नान की तिथियां भी अखाड़ा परिषद के द्वारा निर्धारित कर दी गई हैं। हरिद्वार में होने वाला अर्द्धकुंभ मेला बेहद ऐतिहासिक माना जा रहा है। 2027 में पहली बार ऐसा होगा जब साधु-संन्यासियों के साथ वैरागी और उदासीन आखाड़े तीन अमृत या शाही

स्नान करेंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भी आप इस बात को सुनिश्चित कर दिया है। अखाड़ा परिषद के द्वारा साल 2027 में होने वाले अर्द्धकुंभ के दौरान अमृत स्नान करने की तिथियों का भी ऐलान कर दिया गया है। मायापुर के अधिष्ठात्री मां मायादेवी मंदिर और भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ और संतों के आशीर्वाद के साथ मेले की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इसी के साथ नवरात्र पर निकलने वाली पवित्र छड़ी यात्रा की तैयारियां भी शुरू हो गई।

इस बारे में भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि ने बताया कि हरिद्वार अर्धकुंभ का पहला शाही स्नान 6 मार्च को महाशिवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान किया जाएगा। इसके बाद दूसरा स्नान सोमवती अमावस्या पर होगा जोकि 8 मार्च को है।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस पर साहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, हरिद्वार में शनिवार को हिंदी दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। विद्यालय प्रांगण हिंदी भाषा की महिमा और समृद्ध साहित्यिक परंपरा से सराबोर रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। इसके उपरांत सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ ने वातावरण को भक्ति और ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया। कक्षा 6 'डी' की छात्रा जया मनचंदा ने रामायण काव्य पाठ प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया।

बच्चों ने मुंशी प्रेमचंद की अमर रचना 'बूढ़ी काकी' पर आधारित लघु-नाटिका मंचित की, जिसने दर्शकों को उनकी अदाकारी से प्रभावित किया। कक्षा 6 और 7 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत चौपाई वाचन ने रामकथा के जीवन मूल्यों को सरल और प्रभावी ढंग से सामने रखा। वहीं आधुनिक पत्रकारिता पर आधारित नाटिका ने मीडिया की जिम्मेदारी और उसके सामाजिक प्रभाव पर गंभीर संदेश दिया।

कक्षा 9 'डी' की छात्रा आराध्या कौशिक ने अपनी कविता से हिंदी भाषा की सुंदरता और सरसता का अनुभव कराया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने अपनी मौलिक रचनाओं व कविताओं से भविष्य के कवि और लेखक होने का परिचय दिया। फाउंडेशनल ग्रुप के बच्चों ने भी नन्हीं कविताओं का मधुर पाठ कर सभी का मन मोह लिया।

समारोह के अंत में शास्त्रीय नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा—÷आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि हमारे विद्यार्थी हिंदी भाषा से न केवल प्रेम करते हैं, बल्कि इसे जीवन में अपनाने के लिए भी तत्पर हैं। हिंदी दिवस हमें अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर देता है।÷

हिंदी विभागाध्यक्षा कुसुम बाला त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी हमारी अस्मिता और एकता की भाषा है, जिस पर हम सबको गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम की सफलता में हेमलता पांडेय तथा हिंदी विभाग के सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि हिंदी

भाषा के प्रचार-प्रसार और सम्मान को सदैव बनाए रखेंगे।

हरिद्वार में हरियाणा पुलिस के दारोगा को बदमाश ने गोली, आरोपी फरार

पथ प्रवाह। हरिद्वार रोडवेज बस अड्डे पर अचानक गोली चलने की आवाज से हड़कंप मच गया। बदमाश आगे और पुलिस पीछे दौड़ रही थी। गोली लगते ही खाकी वर्दी पहने दारोगा सड़क पर गिर गया। अफरा तफरी का माहौल बच गया। पता चला कि हरियाणा पुलिस फरार आरोपी का पीछा करते हुए रोड़वेज बस स्टैंड पहुंची थी। वांछित बदमाश ने पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए अचानक पिस्तौल निकालकर फायरिंग कर दी। सूचना मिलते ही हरिद्वार पुलिस ने नाकेबंदी कर दी। लेकिन फरार आरोपी का कोई पता नही चल पाया है। फायरिंग की चपेट में आने से घायल हरियाणा पुलिस के दारोगा सुरेंद्र प्रकाश को उपचार के लिए हायर सेंटर भेजा गया है। गोली उनकी कोहनी में लगी, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि आरोपी बदमाश हरियाणा के एक पुलिस अधीक्षक को फोन पर धमकी देने के मामले में वांछित था। उसकी तलाश में जींद पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। शनिवार को सूचना मिली कि बदमाश हरिद्वार पहुंचा है। इस पर टीम ने रोडवेज बस अड्डे पर घेराबंदी की, लेकिन अचानक उसने गोली चला दी और मौके पर मची अफरातफरी का फायदा उठाकर फरार हो गया। घटना की खबर मिलते ही हरिद्वार पुलिस भी अलर्ट मोड में आ गई।

शिवडेल स्कूल में विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह पर पोस्टर प्रतियोगिता

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शिवडेल स्कूल, हरिद्वार में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर ÷लेट्स टॉक÷ अभियान के अंतर्गत विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान निदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा वर्ष 2023 में प्रारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रभावशाली प्रेज़ेंटेशन से हुई, जिसमें पीजीटी प्रियंका शर्मा ने आत्महत्या के कारणों, लक्षणों और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए यह संदेश दिया कि मानसिक चुनौतियाँ सामान्य हैं और संवाद ही समाधान की पहली सीढ़ी है। इसके उपरांत, कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य, भावनाओं और जीवन के महत्व पर सुंदर एवं रचनात्मक चित्रों तथा नारों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उनके कार्यों ने यह दर्शाया कि युवा वर्ग इस गंभीर विषय को समझ रहा है और

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में चेयरमैन स्वामी शरद पुरी का विशेष संदेश भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने जीवन को ईश्वर का अनमोल उपहार बताते हुए आत्महत्या जैसे कदमों से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, ÷जीवन में हर चुनौती के पीछे एक सीख छिपी होती है, और हर अंधकार के बाद प्रकाश अवश्य आता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद बंसल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ÷संवाद और सहयोग आत्महत्या रोकथाम के सबसे प्रभावशाली साधन हैं। जब हम खुलकर बात करते हैं, तो हम समाधान की दिशा में पहला कदम बढ़ाते हैं।÷ उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों की भावनात्मक ज़रूरतों को समझें और उन्हें एक सुरक्षित तथा भरोसेमंद वातावरण प्रदान करें। कार्यक्रम में कुशल धीमान और नीलम चौधरी भी उपस्थिति रहे। उन्होंने भी छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। कोऑर्डिनेटर विपिन मलिक ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्रों को न केवल मानसिक रूप से सशक्त बनाती हैं, बल्कि उन्हें अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक सुरक्षित मंच भी प्रदान करती हैं।

जगजीतपुर शराब की दुकान को हटाने के लिए पार्षद सुमित त्यागी की मुहिम शुरू

धीरज शर्मा, हरिद्वार। नगर निगम के राजा गार्डन वार्ड नंबर 58 के पार्षद सुमित त्यागी ने जगजीतपुर स्थित शराब के ठेके को शिफ्ट करने, क्षेत्र की सभी कालोनियों को सीवर सुविधा का लाभ देने, वार्ड में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने और वन्य जीवों को आबादी में आने से रोकने के लिए संबंधित विभागों से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। प्रैस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कांग्रेस पार्षद सुमित त्यागी ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से निरंतर पत्राचार और शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। सुमित त्यागी ने

आरोप लगाया कि केएफडब्लयू योजना के तहत डाली जा रही सीवर लाइन में वार्ड 58 के कई इलाकों को छोड़ दिया गया है। जिन इलाकों को छोड़ दिया गया है। उनमें भी सीवर लाइन की सुविधा प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि जगजीतपुर में एक दर्जन स्कूल, कालेज, मेडिकल कालेज और आवासीय कॉलोनियों के बीच स्थित शराब के ठेके की वजह से माहौल खराब हो रहा है। जनहित में ठेके को तत्काल अन्यंत्र विस्थापित किया जाए।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक द्वारा पोषित पेयजल योजना के तहत आ रहे बिलों में भारी अनियमिताएं हैं। सुमित त्यागी ने कहा कि कई उपभोक्ताओं को भारी भरकम रकम के लिए बिल भेज दिए गए। जिससे लोग परेशान हो रहे हैं। पार्षद सुमित त्यागी ने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई विभाग की सरकारी भूमि पर किए जा रहे अवैध कब्जों को हटाने के लिए उन्होंने विभाग को पत्र लिखा। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सुमित त्यागी ने कहा कि जगजीतपुर क्षेत्र में जंगली जानवर रोजाना रिहाइशी इलाकों में आ रहे हैं। वन विभाग को कई बार अवगत कराने के बाद भी जंगली जानवरों को रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम अब तक नहीं उठाए गए हैं। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन करने को बाध्य होंगे। पत्रकारवार्ता के दौरान सन्नी कुमार, अरविंद शर्मा, सौरभ सिंह, अभिषेक भाटी, आशीष चौधरी, जोनी, सागर सैनी, नरेश सेमवाल, लक्की महाजन, रोहित, बादल त्यागी सहित कई लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा में जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है

वैश्विक स्तरपर भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविधताओं में एकता के लिए जाना जाता है।यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें से हिंदी देश की सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह दिन केवल एक भाषा के सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और पहचान की आत्मा का उत्सव है। हिंदी न केवल भारत में करोड़ों लोगों की मातृभाषा है, बल्कि यह विश्व के उन प्रमुख भाषाई ध्वजों में से एक है, जिसने अपनी जड़ों को मजबूत बनाए रखा,वैश्विक स्तरपर भी विस्तार पाया है।हर साल 14 सितंबर का दिन पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तरपर इंग्लिश मंदारिन के बाद,हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोलने वाली भाषा है।10 जनवरी 2025 को जहां विश्व में हिंदी दिवस मनाया जाता है, वही 14 सितंबर को भारत में हिंदी दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है, क्योंकि हिंदी को 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में राजभाषा बनाने का फैसला किया था।वैश्विक स्तरपर हिंदी को लेकर पहला आयोजन 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में किया गया था, इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। साल 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया था। साल 2006 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। हिंदी हमारी एक राजभाषा है और उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रमुख रूप से बोली जाती है। हिंदी भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका में भी बोली जाती है,इसके अलावा दुनियाँ के कई देशों में यह भाषा लोकप्रिय है और मॉरीशस जैसे देशों में भी बोली जाती है। हिंदी को जन-जन की भाषा के रूप में भी जाना जाता है औए इस भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।हर साल दो बार हिंदी दिवस मनाया जाता है।जनगणना 2011 के अनुसार, भारत की लगभग 44 पर्सेंट आबादी हिन्दी को अपनी मातृभाषा के रूप में बोलती है। हिन्दी भाषा का प्रभाव सबसे ज़्यादा उत्तर भारत में देखने को मिलता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को अक्सर 'हिन्दी बेल्ट' कहा जाता है।इसी पृष्ठभूमि में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाना न सिर्फ भाषा के गौरव को बढ़ाता है, बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि अपनी मातृभाषा कोअपनाना और आगे बढ़ाना कितना ज़रूरी है।साहित्य की बात करें तो हिन्दी साहित्य का एक महत्वपूर्ण दौर छायावादी युग कहलाता है, जिसके चार स्तंभ माने जाते हैं- जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा।वहीं, हिन्दी के 'राष्ट्रकवि' रामधारी सिंह दिनकर को माना जाता है।हिन्दी हमारी पहचान और संस्कृति का अहम हिस्सा है, इसलिए इस दिन लोग अलग-अलग तरीकों से अपनी मातृभाषा का सम्मान करते हैं। चूँकि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा व जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से, इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राष्ट्रीय हिंदी दिवस 14 सितंबर 2025, हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मो संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा को गहराई से जानने की करें तो, (1) राष्?ट्रपिता महात्?मा गांधी ने हिन्?दी को जनमानस की भाषा कहा था। वह चाहते थे कि हिन्दी राष्ट्रभाषा बने। उन्?होंने 1918 में आयोजित हिन्?दी साहित्?य सम्?मेलन में हिन्?दी को राष्?ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था। आजादी मिलने के बाद लंबे विचार-विमर्श के बादआखिरकार 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में हिन्?दी को राज भाषा बनाने का फैसला लिया गया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विचार से बहुत से लोग खुश नहीं थे। कइयों का कहना था कि सबको हिंदी ही बोलनी है तो आजादी के क्या, मायने रह जाएंगे, ऐसे में मत बंटने से हिंदी नहीं बन पाई देश की राष्ट्रभाषा। (2) इंग्लिश और मंदारिन के बाद हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।(3) विश्व हिंदी दिवस और हिंदी दिवस में अंतर है, भारत में हिंदी दिवस 14 सितंबर को होता है। वहीं हर साल विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है। दोनों दिनों का मकसद हिन्दी को प्रोत्साहित करना है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तरपर इसे बढ़ावा देना है।14 सितंबर के दिन 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का फैसला किया था। इस दिन की याद में राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। जबकि विश्व हिंदी दिवस का मकसद विश्व में हिंदी को बढ़ावा देना है। 10 जनवरी, 2006 को भारत सरकार ने इसे विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में किया गया था। अभी तक पोर्ट लुईस, स्पेन, लंदन, न्यूयॉर्क, जोहानसबर्ग आदि सहित भारत में विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। (4) दुनियाँ की सबसे प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी (शब्दकोश) हर साल भारतीय शब्दों को जगह दे रही है।ऑक्सफोर्ड ने आत्मनिर्भरता, चड्डी, बापू, सूर्य नमस्कार, आधार, नारी शक्ति और अच्छा शब्द को भी अपने प्रतिष्ठित शब्दकोश में जगह दी है। 'अरे यार!',भेलपूरी, चूड़ीदार, ढाबा, बदमाश, चुप, फंडा, चाचा, चौधरी, चमचा, दादागीरी, जुगाड़, पायजामा, कीमा, पापड़, करी, चटनी, अवतार, चीता, गुरु, जिमखाना, मंत्र, महाराजा, मुग़ल, निर्वाण, पंडित, ठग, बरामदा जैसे शब्द भी इसमें शामिल हैं। (5) दक्षिण प्रशांत महासागर क्षेत्र में फिजी नाम का एक द्वीप देश है जहां हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। (6) भारत के अलावा मॉरीशस,फिलीपींस, नेपाल, फिजी, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत औरपाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। (7) हिंदी में उच्चतर शोध के लिए भारत सरकार ने 1963 में केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना की।

विद्वान और सांख्य दर्शन के महान प्रवर्तक थे भगवान कपिल मुनि-श्रीमहंत रविन्द्रपुरी

धीरज शर्मा।

श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के इंष्ट भगवान कपिल मुनि की जयंती अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के सानिध्य में समारोह पूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर अखाड़े के संतों व श्रद्धालुओं ने भगवान कपिल मुनि की पूजा अर्चना की और भोग अर्पित कर सभी के लिए मंगल कामना की। महंत सूर्यमोहन गिरी व स्वामी कृष्णानंद ने सभी संत महापुरूषों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।कनखल स्थित कपिल वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में सभी तेरह अखाड़ों के संत महापुरूष शामिल हुए और धर्म संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा है कि भगवान कपिल मुनि आदि सिद्धि और आदि विद्वान और सांख्य दर्शन के महान प्रवर्तक थे। जो प्रत्येक कल्प के आदि में मानवता के कल्याण के लिए अवतार लेते हैं। जिन्होंने कर्मकांड के विपरीत ज्ञान कांड को महत्व दिया और त्याग तपस्या एवं समाधि को भारतीय संस्कृति में प्रतिष्ठित कराया। उन्होंने कहा कि भगवान कपिल मुनि ने विकासवाद का सर्वप्रथम प्रतिपादन करके संसार को स्वाभाविक गति से उत्पन्न माना जाता है। उनहोने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जन-जन के आराध्य भगवान कपिल मुनि भगवान विष्णु के पांचवे अवतार थे। अखाड़े की पूरे देश में स्थित सभी शाखाओं में भगवान कपिल मुनि की जयंती समारोह पूर्वक मनायी जाती है। उन्होंने कहा कि भगवान कपिल मुनि के दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी सनातन धर्म संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में अपना योगदान कर रहा है। महानिर्वाणी अखाड़े के इष्ट देवता भगवान कपिल मुनि सभी के जीवन में खुशियां और उन्नति लेकर आए। संत समाज यही कामना करता है। मुखिया महंत भगतराम ने कहा कि कपिल मुनि महाराज भारत के सर्वश्रेष्ठ ऋषिओ में से एक थे। जिन्हें जन्म से ही सारी सिद्धियां प्राप्त थी और जो अग्नि के साक्षात अवतार माने जाते थे।ऐसे महान तपस्वी एवं प्रभावशाली ऋषि-मुनियों की प्राचीन परंपरा के आधार पर ही संत समाज गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन करता चला आ रहा है। हम सभी को ऐसे महान महापुरुष के आदर्श पूर्ण जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि भगवान कपिल मुनि अत्यंत उत्कृष्ट कोटि के विचारक एवं अथाह ज्ञानवान थे। जिन्होंने राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को मुक्ति के लिए भगीरथ को मां गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए प्रेरित किया। उन्हीं के बताए मार्ग पर चलकर मां गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ और राजा सागर के साठ हजार पुत्रों को मोक्ष की प्राप्ति हुई। ऐसे महान पुरुषों की गाथा सर्व समाज के लिए प्रेरणादाई है। कपिल मुनि महाराज महान तपस्वी साधक थे। भारत के कोने कोने से आकर श्रद्धालु भक्त कपिल तीर्थ में स्नान कर अपना जीवन कृतार्थ करते हैं। हम सभी भगवान कपिल मुनि महाराज के चरणों में नमन करते हैं और आशा करते हैं कि शश्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के नेतृत्व में श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी लगातार उन्नति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म को नई दिशा प्रदान करने में संत महापुरुषों की अहम भूमिका है और श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज अपने त्याग और तपस्या के बल पर समाज को लाभान्वित कर रहे हैं। समाज के निर्माण में उनकी अहम भूमिका हमेशा स्मरण रहेगी। श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के पंचों ने कहा कि भगवान कपिल मुनि विष्णु भगवान के चौबीसवें बीसवें अवतार माने जाते हैं। इस अवसर पर स्वामी हरिचेतनानंद, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, कोठारी महंत जसविन्दर सिंह, महंत किशन गिरी, महंत देव गिरी, महंत राजेंद्र पुरी, महंत सूर्यमोहन गिरी, स्वामी कृष्णानंद, स्वामी चेतन गिरी, महंत कमल गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी गर्व गिरी, कोठारी महंत राघवेंद्र दास, स्वामी चिदविलासानंद, स्वामी ऋषिश्वरानंद, महंत रघुवीर दास, महंत सूरजदास, महंत विष्णु दास, महंत प्रेमदास, श्रीमहंत साधनानंद, महंत जयेंद्र मुनि, महंत गंगादास उदासीन, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी दिनेश दास, स्वामी सुतिक्ष्ण मुनि, स्वामी प्रेमानंद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक शर्मा, डा.संजय पालीवाल कोतवाल देहरादून बाबा रमेशानंद महाराज कोतवाल कमालमुनि महाराज कोतवाल श्याम गिरी महाराज कोतवाल रामदास महाराज सहित बड़ी संख्या में संत महंत व श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।स्वामी ऋषिश्वरानंद, सतपाल ब्रह्मचारी, स्वामी ऋषि रामकृष्ण, महंत जसवेंद्र सिंह, मुखिया महंत भगतराम, महंत रघुवीर दास, महंत बिहारी शरण, स्वामी गिरधर गिरी, महंत कृष्णानंद, स्वामी शिवकुमार, महंत सूर्य मोहन गिरी।आदि सहित बड़ी संख्या में संत महापुरूष मौजूद रहे।

हिन्दी भाषा व हिंदी दिवस का महत्व

संजय गोस्वामी

हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है।इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्डुति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है।हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता हैं। हिन्दी एक व्यापक भाषा है, जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें सम्पूर्ण भारत एक साथ बोलता है। इसके एक-एक शब्द के उच्चारण में हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति समाई हुई है। भारतीय संस्कृति को जीवित रखने के महान् उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मनीषियों ने हिन्दी को प्रतिनिधि भाषा घोषित करनें में भारत का और अपना गौरव समझा है। यह निर्विवाद सत्य भी है कि जिस दिन 'हिन्दी' व्यावहारिक रूप में प्रतिनिधि भाषा का रूप धारण कर लेगी और 'अंग्रेजी' का मोह भंग हो जायेगा, उस दिन हमारा देश भाषा के दृष्टिकोण से एक हो जायेगा, विज्ञान के क्षेत्र में अंग्रेजी का कार्य अनायास ही समाप्त हो जायेगा। हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है।इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्डुति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है।हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता हैं। भारत एक ग्रामीण देश है और इसकी अधिकतर जनसंख्या ग्रामीण इलाकों से तालुक रखती है। भारत में सभी अंग्रेजी नहीं जानते इसलिए भारत में आपको किसी से भी बात करनी हो या फिर संवाद करना हो तो आपको पहले हिंदी का ज्ञान होना ही चाहिए। यह एक ऐसी भाषा है जिसकी मदद से हम अपनी भावनाओं को बहुत ही सरल तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।देश के सबसे बड़े भू-भाग में बोली जाने वाली राष्ट्रभाषा 'हिन्दी' के कारण ही भारत विश्व में अपनी महानता बनाये हुए है। इसमें भारतीय संस्डुति एवं सभ्यता की वह सुगन्ध समायी हुई है, जिसके आकर्षण में सम्पूर्ण विश्व सुख-शान्ति का अनुभव करता है।पश्चिमी देशों में ऐसे अनेक साहित्यकार हुए है, जिन्होंने वहाँ निष्ठापूर्वक अध्ययन, मनन, चिन्तन किया है। अब हिन्दी केवल बोल चाल या साहित्य की भाषा नही रह गई। टिप्पण प्रारूपण, प्रतिवेदन, आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन,निविदा, पृष्ठांकन, पदनाम, विभागों के नाम सचाचार-पत्रों, आकाशवाणी और दृश्यमाध्यम से आम-आदमी की जुबान पर आ गए हैं। ये शब्द अंग्रेजी नोटिंग, ड्राटिग, रिपोर्ट, ऑर्डर,, तथा रिमाइंडर-शब्द के पर्याय हैं। आज ये शब्द हिन्दी के और अपने से लगते हैं। ' भारत की प्राचीन विशाल सांस्डुतिक परम्परा की ज्योति ने ही उन्हें सार्वभौमिक मूल्यों की और जाग्रत किया है। अंग्रेजी ज्ञान के अपनी भाषाओं के जरिये की है। आज जापान, कोरिया और चीन जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्होंने अपनी प्रगति अपनी भाषाओं के जरिये की है। आज जापान, कोरिया और चीन जैसे उदाहरण हमारे सामने है, जिन्होंने अपनी प्रगति अपनी भाषाओं में की है। वह कहते थे कि भाषा ;अंग्रेजी ज्ञान के चक्कर में विद्यार्थी विषय ज्ञान में पारंगत नहीं हो पाते, इसलिए वे भाषा ज्ञान की तुलना में विषय ज्ञान को महत्व देते है ।अनेक विदेशी विद्वानों ने भारतीय ग्रन्थों का अपनी भाषा में अनुवाद कर भारत की अमूल्य सांस्डुतिक, साहित्यिक धरोहर को विश्व के समक्ष रखा है तथा पाठ्यक्रम में स्थान दिलाया है। हिंदी को संस्कृत की बड़ी बेटी का दर्जा प्राप्त है। हिंदी बहुत ही सरल भाषा है जिससे हर कोई सिखकर इसका प्रयोग कर सकता है। यह सिखने में बहुत ही आसान है। हिंदी को सिखने के लिए आपको अधिक खर्चे करने की भी जरूरत नहीं है, इस मात्र कुछ किताबों के मदद से सिखा जा सकता है। हिंदी भाषा का प्रयोग भारत के लोग अपने बचपन से करना शुरू कर देते है। हमारे देश में ऐसे बहुत से लोग है जिनको हिंदी की जानकारी होते हुए भी अन्य भाषओं का प्रयोग करते हैं क्योंकि उनको लगता है कि हिंदी बोलने से उनके चरित्र पर सवाल उठेंगे। ये सोच रखने वाले हिंदी को अधिक महत्व नहीं देते लेकिन उनको यह जानकारी होनी चाहिए कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे सिखने के लिए लोग लाखों रुपये खर्च करके भारत आते है। हिंदी के महत्व को जानने के लिए यही मात्र काफी है। अतः हम सभी अपनी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा हिन्दी को पूर्णतः अपनाकर राष्ट्र का गौरव बढ़ायें। गर्व से कह सके कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है, जिसमें विश्वबन्धुत्व की भावना कूट-कूटकर भरी है और इसका गौरवशाली इतिहास रहा है। हमारी एक ही भाषा 'हिन्दी' है। हमारे पास प्रचुर संसाधन हैं तथा मानव संसाधन की दृष्टि से भी भारत अग्रणी है। अतः आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में राष्ट्रभाषा की भूमिका महत्वपूर्ण है। जनभाषाओं का राजभाषा के साथ सा तालमेल, सहयोग होना चाहिए।हिंदी एक ऐसी भाषा है जो सभी धर्मों के लोगों को जोड़े रखने का काम करती है। यह सिर्फ एक भाषा का काम ही नहीं करती, यह एक देश की संस्कृती, वेशभूषा, रहन सहन, पहचान आदि है। हमारे में से कई लोग ऐसी भी है जो यह मानते है कि वह हिंदी नहीं सीखेंगे फिर भी उनका काम बन जायेगा। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि भारत में हर व्यक्ति अन्य भाषाओं को मुख्य भाषा के रूप में प्रयोग में नहीं ला सकता है। लेकिन हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी मदद से हर भारतीय आसानी से आपस में समझ सकते हैं। भारत की आत्मा के रूप में प्रचलित हिंदी देश के सभी भूभागों में वृहद् स्तर पर बोली जाती है।

सेवा और समर्पण से ही संगठन की पहचान : विजय कप्रवाण

संदीप बर्तवाल, रुद्रप्रयाग/चोपता

भारतीय जनता पार्टी मंडल चोपता के अंतर्गत गेस्ट हाउस दुर्गाधार में शनिवार को सेवा पखवाड़ा के तहत मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अर्जुन नेगी ने की, जबकि मंच संचालन मंडल महामंत्री दीपक नेगी ने किया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बद्री-केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण मौजूद रहे। इस अवसर पर मंडल प्रभारी सुरेंद्र सिंह बिष्ट, सतेराखाल वार्ड से जिला पंचायत सदस्य गंभीर सिंह बिष्ट तथा कार्यक्रम संयोजक त्रिलोचन प्रसाद भट्ट भी मंचासीन रहे। अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

भाजपा की नीति-रीति पर चर्चा

जिला पंचायत सदस्य गंभीर सिंह बिष्ट और संयोजक त्रिलोचन प्रसाद भट्ट ने भाजपा की नीति-रीति और संगठन की कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पार्टी की ताकत कार्यकर्ताओं की निष्ठा और अनुशासन है।

भाजपा अनुशासनप्रिय पार्टी है

मंडल कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विजय कप्रवाण ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है, जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि ÷सेवा और समर्पण से ही संगठन की पहचान बनती है। कार्यकर्ता जब पूरे मनोयोग से काम करता है तो उसकी ऊर्जा संगठन और समाज दोनों के लिए प्रेरणा बनती है। कप्रवाण ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक कुल 18 कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर प्रदर्शनी, प्रबुद्ध संवाद, नमो मैराथन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर संगोष्ठी, गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता और सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम शामिल रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लें और प्रधानमंत्री मोदी की विचारधारा व संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं।

कार्यशाला में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित

कार्यशाला में जिला मंत्री मगन नेगी, जिला मीडिया प्रभारी सतेंद्र बर्तवाल, बुद्धि बल्लभ थपलियाल, मंडल महामंत्री भागचंद लाल, मंडल मीडिया प्रभारी मानेंद्र कुमार, पूर्व मंडल अध्यक्ष सचेंद्र रावत, महिला मोर्चा अध्यक्ष दुर्गा करासी, मीनाक्षी बर्तवाल, हिम्मत सिंह रावत, अमित कुमार, विजयपाल कठैत, विमल बिष्ट, योगंबर रावत, चंद्रवीर नेगी, मातवर राणा, सुदर्शन राणा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों को लेकर की समीक्षा

पथ प्रवाह, देहरादून। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज यमुना कॉलोनी स्थित अपने शासकीय आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में श्रीनगर एवं धारी देवी मंदिर क्षेत्र के भू-धसाव, फरासू क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपदा से क्षतिग्रस्त मोटर मार्ग तथा चौथान क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री डॉ. रावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन आपदाग्रस्त स्थलों की भौगोलिक एवं भूसंरचनात्मक जांच हेतु आईआईटी रुड़की से तकनीकी परीक्षण कराए जाएं, ताकि इन समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। बैठक में आपदा सचिव, लोक निर्माण विभाग, जिलाधिकारी पौड़ी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही आपदा प्रभावित वासुदेव कंडारी, संदीप गुसाई, भाजपा संगठन के जिला महामंत्री गणेश भट्ट, श्रीनगर मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल तथा नरेंद्र रावत (कुट्टी भाई) भी मौजूद रहे। डॉ. रावत ने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

देहरादून में दो बांग्लादेशी महिला नागरिक गिरफ्तार, अवैध घुसपैठ का किया खुलासा

पथ प्रवाह, देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह की सटीक रणनीति और ऑपरेशन कालनेमि के तहत जनपद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पटेलनगर थाना क्षेत्र के पूजा विहार चन्द्रबनी इलाके में चलाए गए सघन चेकिंग व सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस, एलआईयू और एसओजी की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिला नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान यासमीन पुत्री मोहम्मद तोहिद मियां, निवासी सिलहट नगर निगम, सिलहट, बांग्लादेश तथा राशिदा बेगम पुत्री मोहम्मद उल्ला, निवासी ग्राम रामों, जिला चटग्राम, बांग्लादेश के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे पश्चिम बंगाल सीमा से अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुईं और देहरादून में रह रही थीं।

जांच के दौरान उनके पास से बांग्लादेशी परिचय पत्र एवं परिवार रजिस्टर भी बरामद हुआ, जिससे उनकी पहचान पुख्ता हुई। दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है और उन्हें नियमानुसार बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने बताया कि ऑपरेशन कालनेमि के तहत जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों, छद्म वेश में लोगों को ठगने वाले फर्जी बाबाओं तथा धर्म के नाम पर भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत अब तक 05 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया जा चुका है, वहीं 07 अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है।

पकड़ी गई दोनों महिलाओं को पटेलनगर थाने की पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस टीम में शामिल अधिकारी-कर्मचारी

उ0नि0 कल्पना सजवान (एलआईयू सहसपुर), उ0नि0 संदीप लोहान (एसओजी), कांस्टेबल गौतम कुमार, हे0का0 प्रदीप कुमार (एलआईयू), कांस्टेबल ललित, आशीष, पंकज (एसओजी) तथा म0का0 गीता रावत (थाना पटेलनगर) शामिल रहे।

ऑपरेशन कालनेमि के तहत दून पुलिस की बड़ी सफलता, दो फर्जी बाबा गिरफ्तार

पथ प्रवाह, संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि अभियान के अंतर्गत दून पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। साधु का भेष धारण कर महिलाओं को झांसे में लेकर ठगी करने वाले दो ढोंगी बाबाओं को रानीपोखरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

शिकायत पर हुई कार्रवाई

मामला 10 सितंबर 2025 का है। रानीपोखरी थाना क्षेत्र के लडवाकोट निवासी प्रदीप सिंह ने पुलिस को तहरीर दी कि साधु वेशधारी दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी चाची और दादी से पूजा-पाठ व जादू-टोने के नाम पर 3500 रुपये और चाची की सोने की बालियां ठग लीं। शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इस तरह किया ठगी का खेल

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों साधु वेशधारी उनके घर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान जब महिला ने अपने पति के बीमार होने की बात बताई, तो दोनों ने दैवीय प्रकोप का डर दिखाते हुए कहा कि तीन दिन में उनके पति/पुत्र की मृत्यु हो जाएगी।

भयभीत महिलाओं को झांसे में लेकर उन्होंने पूजा सामग्री के नाम पर 3500 रुपये और कान की बालियां ले लीं। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि तीन दिन तक किसी को कुछ बताया तो जान को खतरा हो जाएगा।

मुखबिर की सूचना पर दबोचे गए

एसएसपी देहरादून के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और सुरागरसी की। मुखबिर की सटीक सूचना पर 13 सितंबर को दोनों अभियुक्तों को रानीपोखरी क्षेत्र के सन्नगांव जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया गया।

नागथात क्षेत्र में 15 सितंबर को होगा बहुउद्देशीय शिविर, डीएम सविन बंसल करेंगे अध्यक्षता

पथ प्रवाह, देहरादून। जनपद के सुदूरवर्ती क्षेत्र नागथात अंतर्गत विकासखंड कालसी के ग्राम उटैल (बैसोगिलानी) में सोमवार, 15 सितंबर को जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर मौके पर ही जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे और विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी देंगे। शिविर में अटल आयुष्मान कार्ड, आधार, यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र और श्रमिक कार्ड बनाए जाएंगे। इसके साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, औषधि वितरण, नेत्र परीक्षण और चश्मों का वितरण किया जाएगा। राजस्व विभाग द्वारा आय, जाति, निवास, चरित्र प्रमाण पत्र व निर्विवाद उत्तराधिकार मामलों का निस्तारण किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग पेंशन सत्यापन, छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना व शादी अनुदान जैसे प्रकरणों पर कार्यवाही करेगा। इसी प्रकार स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य, ग्राम्य विकास, कृषि, उद्यान, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, पर्यटन, श्रम सहित विभिन्न विभाग अपने-अपने स्टॉल लगाकर सेवाएं व योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराएंगे। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि शिविर का उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना और जनता की समस्याओं का मौके पर निस्तारण करना है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

मनेरा स्टेडियम में जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ, मुख्य विकास अधिकारी ने किया उद्घाटन

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। सीमांत पर्वतीय जनपद उत्तरकाशी में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। खेल निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून और जिला प्रशासन उत्तरकाशी के सहयोग से जिला खेल कार्यालय द्वारा स्पोर्ट्स स्टेडियम मनेरा में आयोजित इस प्रतियोगिता में अण्डर-18 बालक वर्ग और ओपन महिला वर्ग की कुल 35 टीमों के 350 खिलाड़ी मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता 13 से 14 सितम्बर तक चलेगी, जिसमें विजेता टीमें आगे सेमीफाइनल चरण में प्रवेश करेंगी।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी उत्तरकाशी एस.एस. सेमवाल ने किया। उद्घाटन अवसर पर जिला क्रीड़ाधिकारी बबीता बिष्ट ने स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य विकास अधिकारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि ÷उत्तरकाशी सीमांत क्षेत्र होने के बावजूद यहां खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी बताती है कि यहां के युवाओं में ऊर्जा और लगन की कोई कमी नहीं है। सभी खिलाड़ियों को नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ना चाहिए, क्योंकि खेल शारीरिक और मानसिक दोनों दृष्टि से मजबूती प्रदान करते हैं और जीवन को अनुशासित बनाते हैं।

जिला क्रीड़ाधिकारी बबीता बिष्ट ने कहा कि यह प्रतियोगिता जिला स्तरीय है और यहीं से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमें आगे सेमीफाइनल में पहुँचेंगी। सीमांत क्षेत्र के बच्चों में खेलों के प्रति गहरी रुचि है और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों में उनकी पकड़ मजबूत दिखाई देती है। जिला खेल कार्यालय का प्रयास है कि यहां की प्रतिभाओं को पहचान मिले और वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच सकें। खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता केवल एक प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना का प्रशिक्षण है।

पहले दिन खेले गए मुकाबलों में अण्डर-18 बालक वर्ग में चिन्यालीसौड़ ट्रेनिज ने डाइमिक क्लब को 6-2 से हराकर विजयी शुरुआत की। रेणुका माता क्लब ने खो-खो वारियर्स को 6-1 से मात दी, जबकि फेन्टम क्लाइस ने प्रशिक्षण शिविर धनारी को 3-1 से परास्त किया। महिला वर्ग में खो-खो ट्रेनिज चिन्यालीसौड़ ने प्रशिक्षण शिविर थाती धनारी को 11-5 से हराया, एन्जल एवेंजर्स ने चिन्यालीसौड़ ट्रेनिज को 3-1 से मात दी, नागराजा देवता अठाली ने फ्लाई हॉक्स को 2-0 से हराया और राजकीय कृति इंटर कॉलेज ने भटवाड़ी वारियर्स को 8-0 से शिकस्त दी। इसके अलावा एम.डी.एस. ने सथनाथ देवता को 4-1, खेलो इंडिया ने ब्लूस्टार को 7-4, मनेरा गर्ल्स ने विंग चेंजर को 8-0 और यंग ब्लड गर्ल ने स्पार्टन चेंजर्स को 3-1 से हराया। देर शाम तक मुकाबले जारी रहे और खिलाड़ियों ने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया।

बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहित होकर कहा कि हमारे लिए यह प्रतियोगिता एक स्वर्णिम अवसर है। हमें यहां खेल प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता में हमें सभी तरह की सुविधाएँ मिल रही हैं। जिला खेल कार्यालय की ओर से हमें निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और खाना भी बहुत अच्छा है। इसके अलावा स्पोर्ट्स किट और अन्य जरूरी सुविधाएँ भी दी जा रही हैं। इन व्यवस्थाओं से हमें बेहतर माहौल में खेलने का अवसर मिल रहा है।

खेल मैदान में खिलाड़ियों के साथ स्थानीय दर्शकों का उत्साह भी देखने लायक रहा। सीमांत क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांवों से आए प्रतिभागियों ने अपनी मेहनत और लगन से साबित किया कि संसाधनों की कमी के बावजूद यहां के युवाओं में खेलों को लेकर गहरी दिलचस्पी और प्रतिबद्धता है।

उद्घाटन समारोह में खेल विभाग के सहायक प्रशिक्षक, पीआरडी स्वयंसेवक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन विजेता टीमों का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

एक नजर

जंगलचट्टी से कृष्णाचट्टी तक क्षतिग्रस्त मार्ग का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण, एक सप्ताह में यमुनोत्री धाम यात्रा बहाल होने की संभावना

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह/बड़कोट/उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने शनिवार को तहसील बड़कोट के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर पुनः निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने जंगलचट्टी, बनास, फूलचट्टी और कृष्णाचट्टी में क्षतिग्रस्त यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत एवं समतलीकरण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बनास से लेकर कृष्णाचट्टी तक ट्रैक्टर में बैठकर ध्वस्त मार्ग का जायजा लिया और मौके पर मौजूद एनएच व पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हनुमानचट्टी, वाडिया, बनास, राणाचट्टी और स्यानाचट्टी में ग्रामीणों की समस्याएँ भी सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क बंद होने से आपूर्ति बाधित होने और आवाजाही में आ रही कठिनाइयों को प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द ही मार्ग सुचारू कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि जंगलचट्टी में पहाड़ी से लगातार मलबा और बोल्डर आने की चुनौती बनी हुई है, जबकि आगे का ध्वस्त हिस्सा समतलीकरण और सुरक्षित करने के अंतिम चरण में है। बनास क्षेत्र में करीब 30 मीटर मार्ग ध्वस्त है, जिसे दुरुस्त करने का कार्य तेजी से चल रहा है। फूलचट्टी में सड़क मार्ग के समतलीकरण और सुरक्षा कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। वहीं कृष्णाचट्टी में लगभग 300 मीटर मार्ग पूरी तरह ध्वस्त है, जिसे दुरुस्त करने में एनएच और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार लगभग एक सप्ताह का और समय लगेगा।

घरेलू कलह ने ली जान, दरांती से वार कर पत्नी की हत्या करने वाला पति चढ़ा पुलिस के हत्थे

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। कोतवाली मनेरी क्षेत्र के बयाणा गांव में घरेलू विवाद ने शुक्रवार को खौफनाक मोड़ ले लिया। 33 वर्षीय विष्णु चौहान ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी वर्षा (28 वर्ष) की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन उत्तरकाशी पुलिस ने कुछ ही घंटों में उसे दबोच कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार 12 सितम्बर 2025 को मनेरी पुलिस को सूचना मिली कि बयाणा गांव निवासी विष्णु चौहान ने घरेलू झगड़े के दौरान दरांती से वार कर पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वर्षा शौचालय में लहूलुहान पड़ी थी। उसे तत्काल जिला अस्पताल उत्तरकाशी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता चत्तर सिंह पंवार की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) में हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण और कोतवाली प्रभारी मनोज असवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात ही आरोपी को गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में विष्णु ने अपना जुर्म कबूलते हुए बताया कि खेतीबाड़ी, आर्थिक तंगी और रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों को लेकर उसका पत्नी से अक्सर झगड़ा होता रहता था। शुक्रवार को भी विवाद बढ़ा और गुस्से में उसने पहले दरांती से वार किया और फिर दुपट्टे से गला घोंटकर पत्नी की हत्या कर दी। गौरतलब है कि मार्च 2025 में भी आरोपी विष्णु को शराब के नशे में पत्नी से मारपीट करने पर पुलिस ने ब्रहस्स की धारा 170 में जेल भेजा था।

गिरफ्तार अभियुक्त

विष्णु चौहान (33 वर्ष), पुत्र स्व. हरि सिंह चौहान, निवासी ग्राम बयाणा, कोतवाली मनेरी, उत्तरकाशी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

1. व0उ0नि0 सुखपाल सिंह
2. हे0कानि0 सतीश भट्ट
3. कानि0 काशीष भट्ट

भाजपा का सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से, उत्तरकाशी में प्रबुद्ध सम्मेलन से लेकर स्वच्छता और रक्तदान शिविर तक होंगे आयोजन

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। भारतीय जनता पार्टी उत्तरकाशी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इस दौरान भाजपा का लक्ष्य आमजन को सामाजिक कार्यक्रमों से जोड़ना और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाना है।

भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सेवा पखवाड़े के तहत प्रत्येक मंडल व बूथ स्तर पर विविध कार्यक्रम होंगे। इनमें प्रबुद्ध सम्मेलन, स्वच्छता अभियान, मंदिरों की सफाई, एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण, विद्यालय और महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम शामिल रहेंगे।

इसी क्रम में शनिवार को धनारी मंडल की बैठक लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस पिपली में मंडल अध्यक्ष प्रेम दत्त भट्ट की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य वक्ता नवनियुक्त जिला महामंत्री महावीर सिंह नेगी ने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान वृक्षारोपण, धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान, बच्चों व युवाओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर प्रदर्शनी, रक्तदान शिविर और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच जैसे आयोजन होंगे। इसके अलावा वोकल फॉर लोकल के तहत स्वदेशी मेला और प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गंगाड़ी ने कहा कि कार्यकर्ता इस दौरान उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और जनधन योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएंगे। वहीं मंडल अध्यक्ष प्रेम दत्त भट्ट ने कार्यकर्ताओं से सेवा पखवाड़े में पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेने की अपील की।

बैठक में जिला सह कार्यालय मंत्री किशोर सेमवाल, मंडल महामंत्री शंभू प्रसाद भट्ट, संजय पवार, संयोजक मनोज नौटियाल, अनंत राम भट्ट, धनपाल सिंह मटूडा, सुंदर सिंह पायल, भूपेंद्र सिंह, सुरेश सेमवाल, रामनरेश भट्ट, धर्मेंद्र सिंह बिष्ट, संपतपाल परमार, जयप्रकाश भट्ट, बृजमोहन उनियाल, कृष्ण चंद्र उनियाल, वीरेंद्र नौटियाल, पूर्णानंद नौटियाल, भगवान सिंह गुनसोला, रामनरेश विजल्वाण और सुभाष चंद्र विजल्वाण समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एचईसी कॉलेज में हिन्दी दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में 'साहित्यिक क्लब' के तत्वावधान में हिन्दी दिवस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कॉलेज के चेयरमैन संदीप चौधरी ने सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन साहित्यिक क्लब की अध्यक्ष सुनीति त्याग और उपाध्यक्ष दीपिका के निर्देशन में हुआ, जबकि मंच संचालन नित्या ने किया। छात्रों ने पुस्तक आवरण निर्माण प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें वर्षा ने प्रथम, प्रीति व सारिका ने द्वितीय तथा प्रांजलि व मनु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उत्तम हिन्दी प्रवक्ता प्रतियोगिता में खुशी व रूचिका प्रथम, श्रेया व प्रिंस द्वितीय और मान्या तृतीय स्थान पर रही। वहीं विज्ञापन बनाओ प्रतियोगिता में अनन्या ने प्रथम, श्रेया व माही ने द्वितीय और कामाक्षी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने कहा कि हिन्दी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, संस्कृति और पहचान की आत्मा है। आयोजन में साहित्यिक क्लब की करूणा नेहरा, डॉ. राहुल, रश्मि, रूपा और वंदना सहित कई शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ज्वालापुर में रात में गई बिजली दिनभर नहीं आयी, व्यापारियों का हंगामा

पथ प्रवाह हरिद्वार। देर रात खराब मौसम के बीच गायब हुई ज्वालापुर क्षेत्र की बिजली शनिवार को भी पूरे दिन नहीं आयी। बिजली को लेकर अधिकारियों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब न देने पर व्यापारियों का गुस्सा फूट गया, उन्होंने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना रोष जताया। व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन के बाद अधिकारियों की नींद टूटी और नया ट्रांसफारमर लगाने की कार्रवाई शुरू की गई।

शहर व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन गुप्ता ने कहा कि ट्रांसफार्मर फूंकने से बीती रात 3 बजे से ज्वालापुर के बाजारों में विद्युत आपूर्ति ठप्प है। अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बाद भी आपूर्ति बहाल नहीं की गयी। बिजली नहीं रहने से गर्मी के मौसम में व्यापारियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ा। घंटों बिजली गुल रहने से इनवर्टर भी ठप्प हो गए। जिससे व्यापार भी प्रभवित रहा। महामंत्री विक्की तनेजा ने कहा कि ऊर्जा निगम के अधिकारी, कर्मचारी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं देते हैं। विद्युत आपूर्ति ठप्प होने से पेयजल आपूर्ति भी ठप्प हो गयी है। पानी की बूंद बूंद के लिए लोग परेशान रहे। कटहरा बाजार व्यापार मंडल इकाई के अध्यक्ष हर्ष वर्मा ने कहा कि अधिकारी कर्मचारी विद्युत आपूर्ति सुचारू करने में नाकाम रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों में विपिन गुप्ता, विक्की तनेजा, हर्ष वर्मा, कमल अरोड़ा, गौरव गोयल, प्रदीप खन्ना, शाहिद, मोहित अग्रवाल, पंकज वर्मा, विनोद वर्मा, वीरेंद्र अरोड़ा, अनूप, गौरव अग्रवाल, प्रमोद कुमार, राहुल, मोहित मेहता, गौरव जयसिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल रहे।

रामचंद्र उनियाल राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी की एनसीसी इकाई ने किया महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार, वक्ताओं ने दिए प्रेरक विचार

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। रामचंद्र उनियाल राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी की 3/3 एनसीसी प्लाटून ने शनिवार को एनसीसी की सामाजिक गतिविधियों के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषय पर एक प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महिला अधिकार, आत्मनिर्भरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

सेमिनार की शुरुआत महाविद्यालय के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह राणा द्वारा अतिथि वक्ताओं का अभिनंदन करने के साथ हुई। उन्होंने कैडेट्स को एनसीसी द्वारा चलाई जाने वाली सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर अंजनी नौटियाल ने महिला अस्मिता, अद्वैत और अदिति जैसे भावों पर प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक सोच और नारी सशक्तिकरण के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और तार्किक सोच के प्रसार से भी जुड़ा है।

सेमिनार में कैडेट रितिका मखलोगा ने केंद्र सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की, वहीं कैडेट सलोनी नेगी ने भारतीय सेना, वाणिज्य, निजी और शासकीय सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को विस्तार से बताते हुए कैडेट्स को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता भूगोल विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनीता रावत ने उत्तराखंड की प्रगतिशील महिलाओं के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए बताया कि महिलाओं को शारीरिक स्वच्छता, स्वास्थ्य, भ्रूण हत्या जैसी समस्याओं और सामाजिक कुरीतियों से जूझने के लिए मानसिक रूप से सशक्त होना होगा। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. महेंद्र पाल सिंह परमार ने विज्ञान एवं अनुसंधान में महिलाओं को प्रोत्साहित करने हेतु दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों और प्रायोजन योजनाओं से कैडेट्स को अवगत कराया। उन्होंने उत्तराखंड की प्रमुख आत्मनिर्भर महिला उद्यमियों और उत्तरकाशी की महिला पर्वतारोहियों के संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए कैडेट्स को आत्मनिर्भरता और दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सेमिनार में अंडर ऑफिसर अभिदेश भट्ट, कैडेट सलोनी नेगी, क्वार्टर मास्टर सार्जेंट शिवराम, सार्जेंट अखिलेश, कॉर्पोरल आयुष, ख्याती, नितिन रावत, रॉबिन, नेहा चौहान, कविता सहित बड़ी संख्या में कैडेट्स मौजूद रहे।

एक नजर

स्टेट ट्रायल के लिए हरिद्वार जनपद की अंडर 14 बास्केटबॉल टीम का चयन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव संजय चौहान ने बताया कि अंडर 14 बालक एवं बालिका जिला टीम का चयन कर लिया गया है। हरिद्वार के शिवडेल पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का चयन किया गया। अब हरिद्वार की टीम 14 सितंबर से देहरादून में होने वाली राज्य टीम के चयन के ट्रायल में प्रतिभाग करेगी।

जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित नैयर ने बताया कि अंडर 14 आयु वर्ग की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता आगामी अक्टूबर माह में देहरादून में प्रारंभ होने जा रही है। इससे हरिद्वार जनपद सहित पूरे उत्तराखंड के खिलाड़ियों को एक ओर जहां राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा वहीं प्रधानमंत्री जी के खेलो इंडिया अभियान को भी गति मिलेगी। बालक वर्ग में चयनित खिलाड़ियों में पीयूष बिष्ट, आदित्य ममगई, रुद्रांश, देव चौधरी, लक्ष्य, ईदांत, आरव, हर्ष मिश्रा, तेजस शर्मा, सारंग कुंडियाल अनुराग, शशांक, धैर्य, तनिष्क, रक्षित एवं बालिका वर्ग में रिद्धि पांडे, सिद्धि, मान्या, रीत, इशिता, रिद्धिमा, अदिति, सोनम, आरवी, मुकुंदा, अनुष्का, सृष्टि, आद्रिका का चयन किया गया है। शिवडेल स्कूल के संस्थापक स्वामी शरद पुरी ने भी सभी खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उत्तराखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विकास तिवारी, मनोरम शर्मा, आलोक चौधरी, निरंजन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सीबीएसई राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में आचार्यकुलम् के प्रतिभागियों ने किया शानदार प्रदर्शन

पथ प्रवाह हरिद्वार। पांच दिवसीय बालिका सीबीएसई राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में हरिद्वार स्थित बाबा रामदेव के आचार्यकुलम को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह प्रतियोगिता 8 सितंबर से 12 सितंबर तक आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल सहारनपुर में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में देश के डेढ़ सौ स्कूलों के लगभग 450 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14 आयु वर्ग में गार्गी यादव, यशोदा देवी, अलका शर्मा, अनाया पंडित, निवेदिता और अंडर-19 आयु वर्ग में प्रतिष्ठा यादव, आविशी अवि, तनिष्का अग्रवाल, ओजस्वी, अद्विता गौड़ ने कांस्य पदक प्राप्त किया। अंडर 17 आयु वर्ग में कव्या सैनी, प्रारंभिका मिश्रा, धारवी तिवारी, यति यश्वी ने रजत पदक हासिल कर आचार्यकुलम् का नाम रोशन किया। आर्टिस्टिक योगासन में यति यश्वी ने स्वर्ण पदक, ट्रेडिशनल एकल मुकाबले में प्रारंभिक मिश्रा को रजत पदक, रिदमिक योगासन मुकाबले में आविशी अवि ने कांस्य पदक हासिल किया। ओवरऑल सीबीएसई राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में आचार्यकुलम् का दूसरा स्थान रहा।

छह करोड़ से ज्यादा लोगों ने दाखिल किया आयकर रिटर्न

नयी दिल्ली। आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल कर दिये हैं। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि इस साल अबतक आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या छह करोड़ को पार कर गयी है। उसने करदाताओं को अंतिम समय की परेशानी से बचने से लिए अंतिम तिथि से पहले अपना रिटर्न भरने की सलाह दी है। आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। इसके बाद रिटर्न भरने पर कुल आय पांच लाख रुपये से तक होने पर 1,000 रुपये और पांच लाख से अधिक होने पर 5,000 रुपये का जुर्मान लगेगा। आंकलन वर्ष 2024-25 में 7.28 करोड़ करदाताओं ने आयकर रिटर्न भरा था। विभाग ने छह करोड़ का आंकड़ा पार करने के लिए करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्तरकाशी जनपद के 190 से अधिक वादों का निस्तारण, 1 करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक की समझौता धनराशि तय

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी की अध्यक्षता में जिला न्यायालय परिसर उत्तरकाशी तथा बाह्य न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट पुरोला और बड़कोट में सम्पन्न हुआ। आयोजन में विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण हुआ। जिला जज की पीठ संख्या 01 में 61 वादों का निस्तारण किया गया, जिनमें 33 मामले परिवार न्यायालय और 2 मोटर दुर्घटना के थे। इन मामलों में 93,76,946 रुपये की समझौता धनराशि तय हुई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की पीठ संख्या 02 में 27 वादों का निस्तारण कर 18,41,213 रुपये की समझौता धनराशि तय की गई। सिविल जज (सीडी) की पीठ संख्या 03 में 1 वाद का निस्तारण कर 15,000 रुपये की धनराशि तय हुई, साथ ही प्री-लिटिगेशन के 47 मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया, जिनमें 24,83,200 रुपये की धनराशि तय हुई। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की पीठ संख्या 04 में 6 वादों का निस्तारण कर 38,00,000 रुपये की धनराशि तय की गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट की पीठ संख्या 05 में 6 वादों का निस्तारण कर 4,62,400 रुपये की धनराशि तय की गई।

बड़कोट न्यायिक मजिस्ट्रेट की पीठ संख्या 06 में 7 वादों का निस्तारण कर 5,08,186.62 रुपये की धनराशि तय हुई। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन के 35 मामलों का निस्तारण कर 29,63,500 रुपये की धनराशि तय की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सचिन कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आमजन को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराया जा रहा है।

साइबर ठगी की जड़ पर पुलिस का प्रहार ,फर्जी सिम रैकेट का भंडाफोड़ थाना गंगोलीहाट पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध सिम बरामद

जनपद पिथौरागढ़ में पुलिस द्वारा साइबर ठगी पर रोकथाम की दिशा में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़

विगत 12.09.2025 को पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन एवं सीओ गोविन्द बल्लभ जोशी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगोलीहाट कैलाश चंद्र जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम हॉटलेख स्थित एक मकान में दबिश दी। दबिश के दौरान एक व्यक्ति को भारी मात्रा में फर्जी सिम कार्डो के साथ गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त– राजेंद्र प्रसाद पुत्र शंकर राम, निवासी देवल थल, थाना थल, जनपद पिथौरागढ़ (वर्तमान में हॉटलेख, गंगोलीहाट में किराए पर रह रहा था) जो भोले-भाले ग्रामीणों को सिम बेचते समय धोखे से एक के स्थान पर कई सिम कार्ड एक्टिवेट करवा कर अपने पास रख लेता था और बाद में उन्हें ऊंचे दामों पर बेच देता था। इन फर्जी सिम कार्डो का इस्तेमाल साइबर ठगों द्वारा अपराध में किया जा सकता था।, 282 एक्टिवेटेड सिम कार्ड,109 शील्ड सिम, 15 खाली सिम स्लॉट, 04 मोबाइल फोन, 08 विभिन्न व्यक्तियों के आधार कार्ड बरामद किए गए।

अभियुक्त के विरुद्ध धारा 318(4), 61(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 व धारा 42 टेलीकम्यूनिकेशन एक्ट 2023 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। इस प्रकरण में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता की जांच भी की जा रही है।

इस सफलता में शामिल पुलिस टीमः प्रभारी निरीक्षक कैलाश चंद्र जोशी, अपर उप निरीक्षक नरेंद्र पाठक हेड कांस्टेबल देश दीपक

जनजागरूकता संदेश - साइबर अपराध से बचाव

सिम कार्ड केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही लें।

अपने आधार कार्ड/पहचान पत्र की कॉपी किसी अज्ञात व्यक्ति को न दें।

किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस/हेल्पलाइन 112 पर दें।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दून अस्पताल में भर्ती वरिष्ठ पत्रकार मोहन भुलानी का हालचाल जाना

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय पहुंचकर भर्ती वरिष्ठ पत्रकार मोहन भुलानी से भेंट की और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली और परिजनों से बातचीत कर उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों के योगदान को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखती है और संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मोहन भुलानी के इलाज में किसी भी प्रकार की कमी न रहे और समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर अपर सचिव बंशीधर तिवारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, अस्पताल प्रशासन और पत्रकारगण मौजूद रहे।

कोतवाली डीडीहाट पुलिस द्वारा अवैध भांग की खेती को नष्ट किया गया

जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संचालित ÷नशा मुक्त उत्तराखण्ड÷ अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, रेखा यादव के कुशल निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की अवैध तस्करी एवं उत्पादन के विरुद्ध सतत रूप से प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में, आज प्रभारी निरीक्षक कोतवाली डीडीहाट संजय जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ग्राम भनढ़ा क्षेत्र में की जा रही लगभग 04 नाली में अवैध भांग की खेती को नष्ट किया गया। इस अवसर पर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्रीय नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशा मुक्त समाज की दिशा में सहयोग करने का आह्वान भी किया गया। जनपद पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा, तथा इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगी।

संस्कृति स्वायत्त सहकारिता की आम सभा बैठक रही भव्य

ऋश्वक्क परियोजना के अंतर्गत महिलाओं की आजीविका व सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

संदीप बर्तवाल, कर्णप्रयाग (चमोली)

ग्रामोथान परियोजना (ऋश्वक्क) के तहत संस्कृति स्वायत्त सहकारिता कंडारा, कर्णप्रयाग की आम सभा (त्तरू) बैठक शुक्रवार को उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित हुई। इस मौके पर महिला समूहों, सहकारिता पदाधिकारियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की।

मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत

बैठक के मुख्य अतिथि खंड विकास कर्णप्रयाग के सहायक खंड विकास अधिकारी प्रकाश चन्द्र मैखुरी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला चमोली सहायक प्रबंधक (मूल्यांकन एवं अनुश्रवण) राजबर सिंह बिष्ट, सहायक जिला प्रबंधक (संस्थाएं एवं समावेशन) महेन्द्र कफोला, रूश्व अर्जुन कंडारी, कृषि विभाग से ष्ठश्वह्र शुभम पाटिल, पशुपालन विभाग के अधिकारी चौहान, ह्नरूके ष्ठश्वह्र, क्कक्क पूनम देवी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अजीविका समन्वयक ताजबर सिंह फर्स्वाण ने किया। निदेशक मंडल (क्चह्रष्ठ) की अध्यक्ष कांता देवी, उपाध्यक्ष दर्शनी देवी, कोषाध्यक्ष देवेश्वरी देवी, सचिव ममता देवी तथा 12 ग्राम संगठनों की अध्यक्षा, सचिव व सक्रिय महिलाएं भी मौजूद रही।

स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना से हुई। छांतेश्वर एवं कुनैथ महिला समूह ने स्वागत गान प्रस्तुत कर वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। इसके बाद जय भूमियाल देवता ग्राम संगठन कंडारा की ओर से नन्दा देवी राजजात यात्रा का मनमोहक मंचन किया गया। वहीं नौसारी नारी शक्ति समूह ने पारंपरिक गढ़वाली लोकनृत्य ÷केन लगाई बडुली÷ प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सहकारिता की प्रगति व चुनाव

बिजनेस प्रमोटर सुरेन्द्र सिंह राणा ने सहकारिता की 2024-25 की पूरी प्रगति रिपोर्ट रखी। इसमें व्यक्तिगत व अल्ट्रा पुअर लाभार्थियों, शेयरधन और आजीविका गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। एजेंडा के अनुसार निदेशक मंडल (BOD) का चुनाव हुआ, जिसमें अध्यक्ष कांता देवी, उपाध्यक्ष दर्शनी देवी, कोषाध्यक्ष देवेश्वरी देवी और सचिव ममता देवी सहित सभी पदाधिकारी यथावत रहे। साथ ही नीमा देवी (सुनाई ग्राम संगठन) और सुनीता देवी (नौसारी ग्राम संगठन) को नए सदस्य के रूप में जोड़ा गया।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर

विशिष्ट अतिथि राजबर सिंह बिष्ट ने REAP परियोजना के अंतर्गत व्यक्तिगत उद्यम और आजीविका गतिविधियों की जानकारी दी। महेन्द्र कफोला ने विस्तार से बताया कि किस तरह महिलाओं को उद्यमिता से लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पशुपालन विभाग की ओर से मुर्गीपालन, दुग्ध व्यवसाय और नन्दी संरक्षण योजना के लाभ बताए गए, जिसके अंतर्गत बैल पालने वालों को प्रतिमाह 12 हजार रुपये तक की सहायता दी जाती है। कृषि विभाग के ADEO शुभम पाटिल ने बीज, खाद, जैविक खाद और चारदिवारी जैसी योजनाओं की जानकारी दी। M&E अर्जुन कंडारी ने समूह गठन, परियोजना के उद्देश्य और शेयरधन की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। वहीं NRLM के CEO ने बाजार में उत्पादों की गुणवत्ता और विपणन से संबंधित सुझाव साझा किए।

मुख्य अतिथि का संबोधन

मुख्य अतिथि प्रकाश चन्द्र मैखुरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर योजनाओं को घर-घर तक पहुंचा रही हैं। महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और समाधान का आश्वासन दिया गया। उन्होंने ऋश्वक्क परियोजना को आजीविका संवर्द्धन और महिला सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बताया।

समापन व आभार

बैठक के अंत में नवनिर्वाचित निदेशक मंडल को बधाई दी गई। अतिथियों को सहकारिता की ओर से प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए, वहीं महिला समूहों को भी प्रोत्साहित किया गया। अध्यक्ष कांता देवी ने सभी का आभार जताते हुए बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, सुरेन्द्र पाल सिंह (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com